म.प्र. राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

सा विद्या या विमुक्तये

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान

सब पढ़ें सब बढ़ें

मध्य प्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

TESS India

अंग्रेजी

हाई स्कूल/हायर सेकेण्डरी

स्वतंत्र अंग्रेजी लेखन का समर्थन करना—लेखन में मौलिकता

भारत में विद्यालय समर्थित शिक्षक शिक्षा

www.TESS-India.edu.in

http://creativecommons.org/licenses/

The Open University

UKaid from the British people

एस.आर.मोहन्ती
अपर मुख्य सचिव

अ.शा.पत्र क्र R.S.K/10
दूरभाष कार्यालय - 0755-4251330
मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल-462 004
भोपाल, दिनांक 20-1-2016

संदेश

प्रिय शिक्षक साथियों,

बच्चों की शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण और रोचक बनाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग निरन्तर प्रयासरत् है। आप सभी के प्रयासों से शिक्षकों के शिक्षण कौशल में भी निखार आया है और शालाओं में कक्षा शिक्षण भी आंनददायी तथा बेहतर हुआ है।

इसी दिशा में शिक्षकों को बाल केन्द्रित शिक्षण की ओर उन्मुख करने और शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को लेकर, TESS India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) का विकास किया गया हैं। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता व सुगमतापूर्वक किया जा सकता है। आशा है कि ये संसाधन, शिक्षकों एवं शिक्षक प्रशिक्षकों के व्यावसायिक उन्नयन और क्षमतावर्द्धन में लाभकारी और उपयोगी सिद्ध होंगे।

राज्य शिक्षा केन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में TESS India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार किये गये मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) को www.educationportal.mp.gov.in पर भी उपलब्ध कराया गया हैं। आशा है इन संसाधनों के उपयोग से प्रदेश के शिक्षक और शिक्षक प्रशिक्षक लाभान्वित होंगे और कक्षाओं में पठन पाठन को रूचिकर और गुणवत्तायुक्त बनाने में मदद मिलेगी।

शुभकामनाओं सहित,

(एस.आर.मोहन्ती)

दीप्ति गौड मुकर्जी
आयुक्त
राज्य शिक्षा केन्द्र एवं
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग

अर्द्ध शा. पत्र क्र. : 8
दिनांक : 12-1-16
पुस्तक भवन, बी-विंग
अरेरा हिल्स, भोपाल-462011
फोन : (का.) 2768392
फैक्स : (0755) 2552363
वेबसाइट : www.educationportal.mp.gov.in
ई-मेल : rskcommmp@nic.in

संदेश

प्रिय शिक्षक साथियों,

सभी बच्चों को रूचिकर और बाल केन्द्रित शिक्षा उपलब्ध हो इसके लिए आवश्यक है कि हमारे शिक्षकों को शिक्षण की नवीनतम तकनीकों और शिक्षण विधियों से परिचित कराया जाए साथ ही इन तकनीकों के उपयोग के लिए उन्हे प्रोत्साहित भी किया जाए। TESS India द्वारा तैयार किये गये मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) के उपयोग से शिक्षक शिक्षण प्रविधि के व्यावहारिक उपयोग को सीख सकते हैं। इनकी सहायता से शिक्षक न केवल विषय वस्तु को सुगमता पूर्वक पढ़ा सकते हैं बल्कि पठन पाठन की इस प्रक्रिया में बच्चों की अधिक से अधिक सहभागिता भी सुनिश्चित कर सकते हैं।

राज्य शिक्षा केन्द्र स्कूल शिक्षा विभाग ने स्थानीय भाषा में तैयार किये गये इन मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) को अपने पोर्टल www.educationportal.mp.gov.in पर भी उपलब्ध कराया है।

आशा हैं, कि आप इन संसाधनों का कक्षा शिक्षण के दौरान नियमित रूप से उपयोग करेंगे और अपने शिक्षण कौशल में वृद्धि करते हुए बच्चों की पढ़ाई को आनंददायक बनाने का प्रयास करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

(दीप्ति गौड मुकर्जी)

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

टेस–इण्डिया स्थानीयकृत ओईआर निर्माण में सहयोग

मार्गदर्शन एवं समीक्षा :
श्रीमती स्वाति मीणा नायक, अपर मिशन संचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एच. के. सेनापति, प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. ओ.पी.शर्मा, अपर संचालक, मध्यप्रदेश एससीईआरटी
डॉ. अशोक कुमार पारीक उपसंचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री आर. पी. त्रिपाठी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
प्रो.जयदीप मंडल, विभागाध्यक्ष विज्ञान एवं गणित शिक्षा संकाय, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. आर. रायजादा, सहप्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष विस्तार शिक्षा, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. वी.जी. जाधव, से.नि. प्राध्यापक भौतिक, एनसीईआरटी
डॉ. के. बी. सुब्रमण्यम से.नि. प्राध्यापक गणित, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. आई. पी. अग्रवाल से.नि. प्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. अश्विनी गर्ग सहा. प्राध्यापक गणित संकाय, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. एल. के. तिवारी, सहप्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
श्री एल.एस.चौहान, सहा. प्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. श्रुति त्रिपाठी, सहा. प्राध्यापक अंग्रेजी, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. रजनी थपलियाल, व्याख्याता अंग्रेजी, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. मधु जैन, व्याख्याता शास. उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल
डॉ. सुशोवन बनिक, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. सौरभ कुमार मिश्रा, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
श्री. अजी थॉमस, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. राजीव कुमार जैन, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
स्थानीयकरण :
भाषा एवं साक्षरता
डॉ. लोकेश खरे, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एम.एल. उपाध्याय से.नि. व्याख्याता शास. उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय मुरैना
श्री रामगोपाल रायकवार ,कनि. व्याख्याता, डाइट कुण्डेश्वर, टीकमगढ़
डॉ. दीपक जैन अध्यापक, शास. उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय क्र 1 टीकमगढ़
अंग्रेजी
श्री राजेन्द्र कुमार पाण्डेय, प्राचार्य, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्रीमती कमलेश शर्मा. डायरेक्टर , ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री हेमंत शर्मा, प्राचार्य, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री मनोज कुमार गुहा वरि. व्याख्याता, एससीईआरटी. मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एफ.एस.खान, वरि.व्याख्याता, प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान (आईएएसई) भोपाल
श्री सुदीप दास, प्राचार्य, शास.उ.मा.विद्यालय दालौदा, मन्दसौर
श्रीमती संगीता सक्सेना, व्याख्याता, ,शास.कस्तूरबा कन्या उ.मा.विद्यालय भोपाल
गणित
श्री बी.बी. पी. गुप्ता, समन्वयक गणित, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री ए. एच. खान प्राचार्य शास.उ.मा.विद्यालय रामाकोना, छिंदवाड़ा
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद गुप्त , प्राचार्य शास. जीवाजी ऑब्जर्वेटरी उज्जैन
डॉ.आर,सी. उपाध्याय, वरि. व्याख्याता, डाइट, सतना
डॉ. सीमा जैन, व्याख्याता, शास. कन्या उ.मा.विद्यालय गोविन्दपुरा, भोपाल
श्री सुशील कुमार शर्मा, शिक्षक, शास. लक्ष्मी मंडी उ.मा.विद्यालय, अशोका गार्डन, भोपाल
विज्ञान
डॉ. अशोक कुमार पारीक उपसंचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
डॉ. सुसम्मा जॉनसन, व्याख्याता एस.आई.एस.ई. जबलपुर मध्यप्रदेश
डॉ.सुबोध सक्सैना, समन्वयक एससीईआरटी मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
श्री आर. पी. त्रिपाठी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री अरूण भार्गव, वरि. व्याख्याता, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
श्रीमती सुषमा भट्ट, वरि.व्याख्याता, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री ब्रजेश सक्सेना, प्राचार्य, एससीईआरटी ,मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. रेहाना सिद्दकी से.नि. व्याख्याता सेन्ट फ्रांसिस हा. से. स्कूल भोपाल

*TESS-India (*विद्यालय समर्थित शिक्षक शिक्षा*)* का उद्देश्य मुक्त शैक्षिक संसाधनों की सहायता से भारत में प्रारंभिक और सेकेण्डरी शिक्षकों के कक्षा अभ्यास व कक्षा निष्पादन को सुधारना है जिसमें वे इन संसाधनों की सहायता से विद्यार्थी - केंद्रित, सहभागी दृष्टिकोणों का विकास कर सकें। टेस इंडिया के मुक्त शैक्षिक संसाधन शिक्षकों के लिए स्कूल पाठ्य पुस्तक के अतिरिक्त, सहयोगी पुस्तिका या संसाधन की तरह हैं। इसमें शिक्षकों के लिए कुछ गतिविधियां दी गई हैं जिन्हे वे कक्षाओ में विद्यार्थियों के साथ प्रयोग में ला सकते हैं, इसके साथ साथ कुछ केस स्टडी दी गई हैं जो यह बताती हैं कि कैसे अन्य शिक्षकों ने पाठ्य विषय को कक्षाओं में पढ़ाया और अपनी विषय संबंधी जानकारियों को बढ़ाने तथा पाठ योजनाओं को तैयार करने में संसाधनों का उपयोग किया।

TESS-India OER भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किये गये है और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट रूप में उपयोग के लिए उपलब्ध हैं *(http://www.tess-india.edu.in)*। *OER* कार्यक्रम से जुड़े प्रत्येक भारतीय राज्य के शिक्षकों के उपयोग के लिए उपयुक्त तथा कई संस्करणों में उपलब्ध हैं तथा शिक्षक व उपयोगकर्ता इन्हे अपनी स्थानीय आवश्यकताओं और सन्दर्भों के अनुरूप इनका स्थानीयकरण करके उपयोग कर सकते हैं।

प्रस्तुत संस्करण मध्यप्रदेश की स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

वीडियों संसाधन

इस इकाई में कुछ गतिविधियों के साथ यह आइकॉन दिया गया है*:* *.* इसका अर्थ है कि आप उक्त विशिष्ट विषयवस्तु या शैक्षणिक प्रविधि को और अधिक समझने के लिए *TESS-India* के वीडियो संसाधनों की मदद ले सकते हैं।

TESS-India वीडियो ससांधन (Resources) भारतीय परिप्रेक्ष्य में कक्षाओं में उपयोग की जा सकने वाली सीखने–सिखाने की विविध तकनीकों को दर्शाते हैं। हमें यकीन है कि इनसे आपको इसी प्रकार की तकनीकें अपनी कक्षा में करने में मदद मिलेगी। यदि इन वीडियो संसाधनों तक आपकी पहुँच नहीं हो तो कोई बात नहीं। यह वीडियो पाठ्यपुस्तक का स्थान नहीं लेते, बल्कि उसको पढ़ाने में आपकी मदद करते हैं।

TESS-India के वीडियो संसाधनों को *TESS-India* की वेबसाइट *http://www.tess-india.edu.in/* पर ऑनलाइन देखा जा सकता है या डाउनलोड किया जा सकता है*)*। इसके अतिरिक्त आप इन वीडियो को सीडी या मेमोरी कार्ड में लेकर भी देख सकते हैं।

संस्करण 2.0 SE06v1
Madhya Pradesh

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन–शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है: http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/

TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

> मेरे विद्यार्थियों से माध्यमिक स्तर पर अंग्रेजी में लिखने में सक्षम होने की अपेक्षा की जाती है। हम जो लेखन गतिविधियाँ करते हैं उनमें से अधिकांश में उनके द्वारा ब्लैकबोर्ड से उत्तरों की नकल करना या निबंधों और अन्य रचनाओं की नकल या याद करके लिखना शामिल होता है। अंग्रेजी में अपने आप लिखने में मैं उनकी मदद कैसे कर सकती हूँ?

माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों से विभिन्न पाठों को अंग्रेजी में लिखने की अपेक्षा की जाती है। इसमें सीखे जाने वाले शब्दों (words) व्याकरण (grammar) के बारे में नोट्स (notes) या बोध (understanding) संबंधी प्रश्नों के उत्तरों जैसे वाक्यों (sentences) लंबे पाठ, जैसे रचनाएं, कहानियाँ, पत्र, रिपोर्टें, आवेदन पत्र इत्यादि शामिल हो सकते हैं। इस प्रकार के पाठों में विद्यार्थियों को अपने स्वयं के विचारों और भाषा का उपयोग करते हुए लेखन के माध्यम से संचार करना आवश्यक होना चाहिए। तथापि, विद्यार्थी जो कुछ लिखते हैं वह प्रायः पाठ्यपुस्तक या ब्लैकबोर्ड से नकल किया जाता है, या वे बोलकर लिखवाए गए या याद किए गए उत्तर लिख देते हैं। अधिकांश विद्यार्थी पाठों की रचना *स्वयं* नहीं करते हैं।

जबकि इस नकल और याद करने से कुछ विद्यार्थियों को परीक्षा में मदद मिल सकती है, इससे उन्हें उन कौशलों को विकसित करने में मदद नहीं मिलती है जिनकी उन्हें जीवन के प्रयोजनों के लिए स्वतंत्र रूप से अंग्रेजी में लिखने के लिए जरूरत पड़ती है। स्वतंत्र रूप से लिखने में आपके विद्यार्थियों द्वारा किसी बात को सूचित करने के लिए अपने खुद के विचारों और स्वयं अपनी भाषा का उपयोग करना शामिल होता है। यह एक ऐसा कौशल है जो उनके भविष्य के निजी और पेशेवर जीवन के लिए उपयोगी होगा। इसके अलावा, भावनाओं और रायों के बारे में लिखने से आपके विद्यार्थियों को आलोचनात्मक और कल्पनाशील ढंग से सोचने का अवसर मिलता है। विद्यार्थी स्वतंत्र रूप से लिखने के कौशलों और आत्मविश्वास को विकसित करेंगे यदि उन्हें अपने विचारों के बारे में बात करने और उनके बारे में बोलने तथा लिखने का अभ्यास करने के बहुत सारे अवसर मिलें। उनका 'अच्छी' भाषा के उदाहरणों को देखना – और उनकी नकल करना – पर्याप्त नहीं है। स्वयं को व्यक्त करने का प्रयास करके विद्यार्थी बेहतर लेखक भी बन सकते हैं।

यह इकाई दो कार्यनीतियों का अध्ययन करती है जिनका उपयोग आप अपने विद्यार्थियों को नकल करने और याद करने से हटकर अपने स्वयं के पाठों की रचना करने की ओर जाने में मदद करने के लिए सकते हैं:

- चुने गए विषय पर विद्यार्थियों की बातचीत को सुगम बनाना। एक दूसरे से और आपसे बातचीत करके विद्यार्थी अपने विचारों को साझा और विकसित करते हैं। इससे उन्हें अपने विचारों को लिखकर व्यक्त करने के लिए भाषा के साथ अभ्यास करने और प्रयोग करने का भी अवसर मिलता है।
- विद्यार्थियों को स्वतंत्र रूप से लिखने के अध्यापन में उन्हें ऐसी भाषा सुलभ कराना शामिल होता है जिस पर वे अपने लेखन को आधारित कर सकते हैं।

जब विद्यार्थी स्वतंत्र रूप से लिखते हैं, तो उनसे गलतियाँ होती हैं। यह भाषा को सीखने की प्रक्रिया का सामान्य भाग है। गलतियों को देखकर और उन्हें रिकार्ड करके, आप अपनी सकारात्मक और प्रोत्साहक प्रतिक्रिया के माध्यम से विद्यार्थियों के सीखने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी ढंग से निर्देशित कर सकते हैं।

इस इकाई से आप क्या सीख सकते हैं

- विद्यार्थियों के लेखन के विकास में सहायता के लिए विद्यार्थियों की बातचीत को सुगम बनाना।
- विद्यार्थियों के लेखन के लिए मॉडल प्रारुप सुलभ कराना।
- आपके विद्यार्थियों के लेखन कार्य में सुधार को व्यवस्थित करने के उपाय।

1 विद्यार्थी लेखन में सहायता के लिए चर्चा का उपयोग करना

विद्यार्थियों से अंग्रेजी के किसी अध्याय या गद्यांश के बारे में बोध संबंधी प्रश्नों के उत्तर लिखने की अपेक्षा की जाती है जैसा निम्नलिखित उदाहरण में दर्शाया गया है। कक्षा 8 के विद्यार्थी 'The Summit Within' from NCERT's textbook Honeydew, नामक एक गद्यांश का

अध्ययन करते हैं जो एवरेस्ट पर्वत के शीर्ष पर पहुँचने वाले किसी व्यक्ति के बारे में है आप अपनी कक्षा की पाठ्पुस्तक से कोई 3 गद्यांश ले सकते है।पाठ को पढ़ने के बाद, उनसे निम्न प्रश्नों का उत्तर देने की अपेक्षा की जाती है:

Answer the following questions:

(i) What are the three qualities that played a major role in the author's climb?

(ii) Why is adventure, which is risky, also pleasurable?

(iii) What was it about Mount Everest that the author found irresistible?

(iv) One does not do it (climb a high peak) for fame alone. What does one do it for, really?

(v) 'He becomes conscious in a special manner of his own smallness in this large universe.' This awareness defines an emotion mentioned in the first paragraph. What is this emotion?

(vi) What were the 'symbols of reverence' left by members of the team on Everest?

(vii) What, according to the writer, did his experience as an 'Everester' teach him?

विचार कीजिए

- क्या आपने यह अध्याय पढ़ाया है? यदि हाँ, तो क्या आपने इन प्रश्नों का उत्तर देने में अपने विद्यार्थियों की मदद की है? यदि आपने अध्याय नहीं पढ़ाया है, तो प्रश्नों का उत्तर उनके अपने शब्दों में देने में आप विद्यार्थियों की मदद कैसे करेंगे?

- कुछ शिक्षक विद्यार्थियों से उत्तरों की नकल ब्लैकबोर्ड से करने को कहते हैं। लेकिन जब विद्यार्थी ऐसा करते हैं, तो यह जानना कठिन होता है कि उन्होंने प्रश्न या पाठ को समझ लिया है या नहीं। केवल इसलिए कि विद्यार्थी वाक्यों या अनुच्छेदों की नकल कर सकते हैं, इसका मतलब यह नहीं होता कि वे जो लिख रहे हैं उसे समझते हैं। साथ ही, नकल करते समय, विद्यार्थी अंग्रेजी का अधिक अभ्यास नहीं करते हैं। इससे उनकी वर्तनी (स्पेलिंग) में मदद मिल सकती है, किंतु वे इस बारे में नहीं सोचते हैं कि भाषा कैसे *काम करती है*। यदि विद्यार्थी स्वयं अपने वाक्य और पाठ लिखते हैं, तो उन्हें व्याकरण – कालों और संरचनाओं – और शब्दावली के बारे में सोचना पड़ेगा। वे जो कुछ कहना चाहते हैं उसके *अर्थ* पर ध्यान केंद्रित करते हैं, और इससे भाषा का स्वतंत्र रूप से उपयोग करने में सक्षम होने में उन्हें सहायता मिलती है।

इस तरह के प्रश्नों के प्रति अपने उत्तर लिखने में विद्यार्थियों की मदद करने का एक तरीका है उन्हें प्रश्नों पर चर्चा करने देना। जब आप अपने विद्यार्थियों को इससे पहले कि वे उत्तर लिखें, जोड़ियों या समूहों में प्रश्नों पर चर्चा करने के लिए समय देते हैं, तो उन्हें, एक दूसरे से सीखते हुए, जो कुछ वे समझते हैं उसे एक दूसरे को समझाना होता है। बातचीत करने और सोचने के लिए समय की उपलब्धि और सहपाठियों के साथ चर्चा करने से आपके विद्यार्थियों को स्वतंत्र रूप से वाक्य लिखने के लिए पहले कदम उठाने में मदद मिल सकती है।

वीडियो: सीखने के लिए बातचीत

2 समूहकार्य के माध्यम से विचारों पर चर्चा करना

यदि विद्यार्थी अपने आप लिखने के आदी नहीं हैं तो उनसे ऐसा करने को कहना काफी बड़ा कदम हो सकता है। लेकिन छोटे समूहों में काम करके, विद्यार्थी पाठ को समझने, अपने विचारों को विकसित करने और भाषा का अभ्यास करने में एक दूसरे की सहायता कर सकते हैं जिसका उपयोग वे फिर अपने लिखित उत्तरों में कर सकते हैं।

गतिविधि 1: कक्षा में आजमाएं – पाठ्यपुस्तक के प्रश्नों का उत्तर समूहों में देना

पाठ्यपुस्तक के 'The Summit Within' from NCERT's textbook Honeydew, नामक गद्यांश में विद्यार्थियों से कई बोध संबंधी प्रश्नों का उत्तर अंग्रेजी में देने की अपेक्षा की जाती है।

अगली बार जब आप इस तरह की गतिविधि वाला कोई अध्याय पढ़ाएं, तब अपने विद्यार्थियों से अध्याय के अंत में बोध संबंधी प्रश्नों का उत्तर समूहों में देने को कहें। इससे उन्हें एक दूसरे के साथ विचारों को विकसित करने और प्रश्नों का मिलकर उत्तर देने के लिए भाषा खोजने का अवसर मिलेगा।

1. कक्षा में, विद्यार्थियों को चार के समूहों में बाँटें। यदि वे बेंचों पर बैठे हैं, तो पहली बेंच के विद्यार्थियों को पीछे की ओर घूमने को कहें ताकि वे दूसरी बेंच पर बैठे विद्यार्थियों के सम्मुख हो जायं। ऐसा ही अन्य पंक्तियों के साथ दोहराएं ताकि बिना अधिक शोर के समूह बन जाएं। प्रत्येक समूह से एक विद्यार्थी को 'सेक्रेटरी' बनने को कहें जो उत्तर लिखता है। समूहकार्य पर अधिक जानने के लिए देखें संसाधन 1।
2. विद्यार्थियों से प्रश्नों के प्रति अपने उत्तरों पर चर्चा करने और उन्हें लिखने को कहें। उन्हें बताएं कि उन्हें अध्याय से सीधे वाक्यों की नकल नहीं करनी चाहिए। इस काम के लिए उन्हें एक समय सीमा दें (उदाहरण के लिए, दस मिनट)।
3. समूहों के इर्दगिर्द घूमें और उनके काम की निगरानी करें। इससे सुनिश्चित होता है कि विद्यार्थी समझें कि वे क्या कर रहे हैं, और समस्याओं पर चर्चा करने में अधिक आश्वस्त महसूस करें। सुनिश्चित करें कि सभी विद्यार्थियों को चर्चा में योगदान करने का अवसर मिले।
4. जब वे काम पूरा कर लें, तब दो या तीन समूहों से एक प्रतिनिधि से उत्तर को ऊँची आवाज में पढ़ने को कहें। कक्षा के रूप में उत्तरों पर, और उन्हें कैसे सुधारा जा सकता है, इस बात पर चर्चा करें। यदि संभव हो, तो प्रत्येक समूह के प्रश्नों और उत्तरों की जाँच करें।

वीडियो: समूह में कार्य का उपयोग करना

विचार कीजिए

- इस गतिविधि को आजमाने के बाद आपके सोचने के लिए यहाँ एक प्रश्न है। यदि संभव हो, तो किसी सहकर्मी के साथ इस प्रश्न पर चर्चा करें।
- पाठ के बाद, अपने विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया के बारे में सोचें। क्या इस गतिविधि ने उन्हें जो कुछ उन्होंने समझा था उसे एक दूसरे को सूचित करने में संलग्न किया?

पाठ्यपुस्तक के गद्यांशों के बारे में प्रश्नों का उत्तर देने के लिए विद्यार्थियों से मिलकर काम कराने से उन्हें इन प्रश्नों के लिए उत्तर लिखने के कौशलों और आत्मविश्वास का निर्माण करने में मदद मिल सकती है। विद्यार्थियों की समझ को आगे बढ़ाने का एक तरीका है उनसे पाठ के बारे में स्वयं अपने बोध संबंधी प्रश्नों की बनाने को कहना।

गतिविधि 2: कक्षा में आजमाएं – समूह कार्य का इस्तेमाल पाठ के बारे में प्रश्न और उत्तर लिखने में विद्यार्थियों की मदद करनाा

आप इस गतिविधि को किसी भी अध्याय या गद्यांश, और किसी भी कक्षा के साथ आजमा सकते हैं।

1. गतिविधि 1 की तरह समूहकार्य को स्थापित करें।
2. अलग अलग समूहों को पाठ के अलग अलग पेराग्राफ में से पढ़ने को कहें। उदाहरण के लिए, समूह 1 पहले दो पैराग्राफ को देख सकता है; समूह 2 तीसरे और चौथे पैराग्राफ में से पढ़ सकता है; इत्यादि। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता यदि कई समूह समान पैराग्राफ को देख रहे हैं।

3. प्रत्येक समूह से उनके द्वारा पढ़े गए पाठ के खंड के बारे में तीन प्रश्न लिखने को कहें – इन प्रश्नों को पाठ के बारे में विद्यार्थियों की समझ की परख करनी चाहिए। समूहों में काम करना शुरू करने से पहले सारी कक्षा को आपके वाँछित प्रश्नों के प्रकार के कुछ उदाहरण दें। गतिविधि के लिए समय सीमा दें (उदाहरण के लिए, दस मिनट)।
4. विद्यार्थियों से अपने प्रश्नों और उन प्रश्नों के सही उत्तरों पर चर्चा करने को कहें। समूह के सेक्रेटरी से ये प्रश्न और उत्तर लिखवाएं।
5. जब विद्यार्थी अपने प्रश्न लिखना समाप्त कर लें, तब समूहों से अपने प्रश्नों की अदलाबदली करने को कहें, ताकि हर समूह को उनके द्वारा लिखे गए प्रश्नों से अलग प्रश्नों का सेट मिले।
6. विद्यार्थियों से चर्चा करने और प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें। उन्हें बताएं कि उन्हें पाठ्यपुस्तक से उत्तरों की नकल नहीं करनी चाहिए। एक बार फिर, उन्हें समय सीमा दें।
7. समूहों के इर्दगिर्द घूमें और उनके काम की निगरानी करें। इससे सुनिश्चित होता है कि विद्यार्थी समझते हैं कि वे क्या कर रहे हैं और समस्याओं पर चर्चा करने के बारे में अधिक आश्वस्त महसूस करते हैं।
8. दो या तीन समूहों से एक या दो प्रश्नों और उत्तरों को ऊँची आवाज में पढ़ने को कहें; उत्तरों पर, और उन्हें कैसे सुधारा जा सकता है, इस बात पर चर्चा करें। यदि संभव हो, तो प्रत्येक समूह के प्रश्नों और उत्तरों की जाँच करें।

विचार कीजिए

- यहाँ इस गतिविधि को आजमाने के बाद आपके विचार करने के लिए कुछ प्रश्न दिए गए हैं। यदि संभव हो, तो इन प्रश्नों की चर्चा किसी शिक्षक साथी के साथ करें।
- पाठ के बाद, अपने विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया के बारे में सोचें। क्या ऐसे कोई समूह थे जिन्हें प्रश्न लिखना कठिन लगा? अगली बार जब आप यह अभ्यास करेंगे तब आप उनकी मदद कैसे करेंगे?

ऐसे तरीके उपलब्ध हैं जिनसे आप अपने विद्यार्थियों को उनके उत्तर लिखने के लिए आवश्यक कुछ भाषा उन्हें देकर उनके लेखन में सहायता देने में मदद कर सकते हैं। आप निम्नलिखित केस स्टडी में इसके बारे में अधिक जानेंगे।

केस स्टडी 1: श्री सिंह बोध संबंधी प्रश्नों के साथ विद्यार्थियों की चर्चा का उपयोग करते हैं।

श्री सिंह कक्षा 8 को अंग्रेजी पढ़ाते हैं। हाल ही में उन्होंने अध्याय से नकल किए बिना बोध संबंधी प्रश्नों के उत्तर देने में अपने विद्यार्थियों की मदद करने की तकनीक आजमाई, और इसमें उनके विद्यार्थियों से समूहों में काम करवाना शामिल था। वह अध्याय था 'The Summit Within' from Honeydew*, NCERT's textbook for Class VIII.*

एक पठन-पूर्व अभ्यास करने के बाद, हमने गद्यांश 'The Summit Within' मिलकर पढ़ा। जब हमने काम समाप्त किया, मैंने पहले विद्यार्थियों से पूछा कि पाठ किस बारे में था ताकि इस बात का सामान्य जानकारी हो सके कि उन्होंने समझा था या नहीं। फिर मैं पठन के बाद की गतिविधि की ओर बढ़ा, जिसमें अध्याय के अंत के बोध संबंधी प्रश्नों का उत्तर देना शामिल था। मैंने तय किया कि पहले प्रश्न का उत्तर हम सब मिलकर एक कक्षा के रूप में देंगे।

मैंने अपने विद्यार्थियों से पहला बोध संबंधी प्रश्न पढ़ने को कहा: 'What are the three qualities that played a major role in the author's climb?' मैंने उनसे प्रश्न का अनुवाद करने को कहकर सुनिश्चित किया कि वे उसे समझ सकते थे। फिर मैंने अपने विद्यार्थियों को उत्तर शुरू करने के लिए उपयोगी वाक्यांशों की एक सूची दी, जैसे: 'The three qualities that played a major role are …'.

मैंने उनसे पहला पैराग्राफ पढ़ने और उन वाक्यों को रेखांकित करने को कहा जिनमें उत्तर मौजूद था। विद्यार्थियों ने निम्नलिखित को रेखांकित किया:

> The simplest answer would be, as others have said, 'Because it is there.' It presents great difficulties. Man takes delight in overcoming obstacles. The obstacles in climbing a mountain are physical. A climb to a summit means endurance, persistence and will power.

मैंने उनसे ठीक उन्हीं शब्दों को ढूंढने को कहा जो उन तीन गुणों का वर्णन करते थे। अधिकांश विद्यार्थियों ने उत्तर दिया 'endurance', 'persistence' और 'will power', लेकिन कुछ ने मुझसे पूछा कि क्या 'overcoming obstacles' एक और महत्वपूर्ण बिंदु नहीं था।

मैं खुश था कि विद्यार्थी अपनी खोज को उन सबसे उपयुक्त शब्दों तक सीमित कर सके जो प्रश्न का उत्तर दे सकते थे। तब मैंने उनसे तीन गुणों की उनकी सूची में 'overcoming obstacles' को शामिल करने का तरीका खोज निकालने को कहा।

मैंने उन्हें दिखाया कि बिंदुओं को संगठित करके एक सही आरंभ और अंत वाला उपयुक्त उत्तर कैसे प्राप्त करना चाहिए। मैंने यह भी सुनिश्चित किया कि वे उत्तर लिखते समय क्रिया के काल में परिवर्तन को भी नोट करें: 'are' बदल कर 'were' हो जाएगा, इतयादि। वाक्यों में आवश्यक परिवर्तन करने के बाद, उन्हें जो प्राप्त हुआ वह यह है:

> The three qualities that played a major role in the author's climb were endurance, persistence and will power for overcoming obstacles.

मैंने उन्हें उसी उत्तर को लिखने के अन्य तरीके दिखाए, जैसे:

> Endurance, persistence and will power for overcoming obstacles were the three qualities that played a major role in the author's climb.

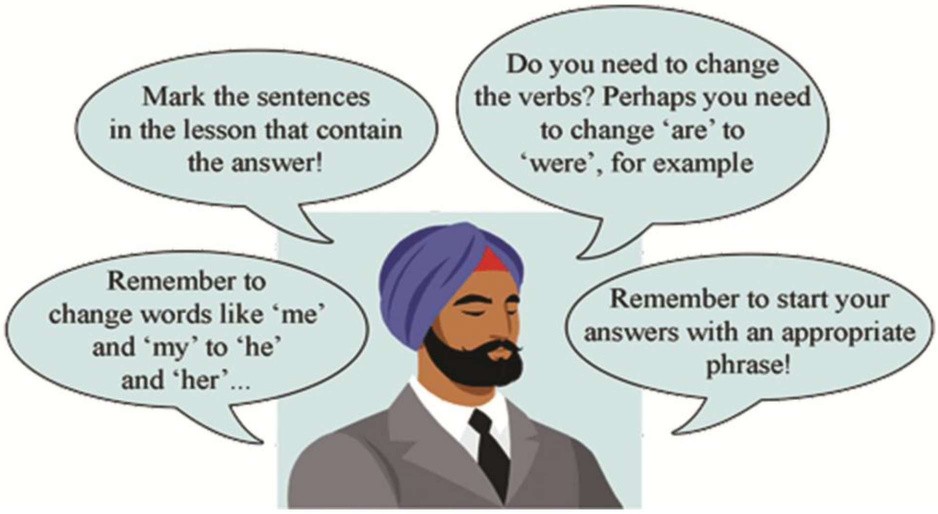

मैं चाहता था कि कक्षा शेष प्रश्नों के उत्तर समूहों में दे। मैंने कक्षा से चार के समूहों में काम करने, और मिलकर काम करके शेष प्रश्नों के उत्तरों की रचना करने को कहा। मैंने उनके उत्तरों में उपयोग करने के लिए उन्हें अध्याय से कुछ शब्द और वाक्यांश दिए। लेकिन मैंने उन्हें याद दिलाया कि उन्हें उनके अपने शब्दों का उपयोग करना चाहिए, और सीधे अध्याय से वाक्यों की नकल नहीं करनी चाहिए। मैंने उन्हें अपने उत्तर लिखने के लिए कुछ समय दिया, और कमरे में घूमते हुए यदि किसी विद्यार्थी को जरूरत हुई तो उसकी मदद की।

जब समय समाप्त हो गया, तो मैंने किसी अलग समूह से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर देने को कहा। समूह ने जो उत्तर दिया मैंने उसे ब्लैकबोर्ड पर लिखा और हमने चर्चा की कि वह प्रश्न का उत्तर है या नहीं, और क्या समूह ने अपने उत्तरों को पूरा करने के लिए पाठ से लिए गए अपने लिए जरूरी महत्वपूर्ण शब्दों और वाक्यांशों के अलावा स्वयं अपने शब्दों का उपयोग किया था या नहीं। समूह द्वारा की गई किसी भी गलती को भी मैंने सुधारा।

कक्षा के समाप्त होने तक, मेरे विद्यार्थी प्रश्नों का उत्तर देने का काम बेहतर ढंग से करने लगे थे। मैंने वास्तव में देखा कि चर्चा और उत्तरों के साथ जरा सी मदद से, विद्यार्थी गतिविधि को करने में काफी अधिक सक्षम हो गए थे, और उन्हें अपने आप पर भी विश्वास होने लगा था।

3 भाषा का प्रतिमान नमूना बनाकर स्वतंत्र रूप से लिखने में विद्यार्थियों की सहायता करना।

केस स्टडी 1 में, शिक्षक ने उत्तर का नमूना देकर और विद्यार्थियों को उनके उत्तरों की रचना करने के लिए आवश्यक कुछ भाषा देकर पाठ के बारे में प्रश्नों के उत्तर लिखने में विद्यार्थियों की मदद की। विद्यार्थियों को नमूनो या लिखने के ढाँचे देने से उन्हें स्वतंत्र रूप से लिखने के लिए जरूरी कौशलों का धीरे-धीरे विकास करने में मदद मिलती है।

यहाँ कुछ अलग अलग तरीके दिए गए हैं जिनसे आप मदद प्रदान कर सकते हैं:

- लापता शब्द: ऐसा पाठ प्रदान करें जिसमें से शब्द या वाक्य गायब हों, और जिन्हें विद्यार्थियों को स्वयं पूरा करना है। ऐसे शब्दों या वाक्यांशों को छोड़ दें जिन्हें विद्यार्थी किसी पढ़ने के गद्यांश में खोज सकते हैं। इससे विद्यार्थियों को बहुत सहायता मिलती है, और यह सुविख्यात कहानियों या किसी अध्याय के सारांशों के साथ उपयोगी होता है, उदाहरण के लिए:

  > Anne Frank had a father, a mother and ________. She was born in ________ in ________. The family emigrated to ________, and she went to ________.

- नमूना: कोई पूरा पाठ प्रदान करें जिसे विद्यार्थी अपने स्वयं के संदर्भों के अनुसार बदल सकते हैं। उदाहरण के लिए, अपनी माँ या पिता का विवरण दें, और विद्यार्थियों से उनकी माँ या पिता का वर्णन करने के लिए मुख्य शब्दों को बदलने को कहें। जो विद्यार्थी लिखने में अधिक आश्वस्त हों वे अधिक परिवर्तन कर सकते हैं और अपनी स्वयं की भाषा का अधिक उपयोग कर सकते हैं।
- लिखने के ढाँचे: पाठ का कोई ऐसा लिखने का ढाँचा प्रदान करें जो विद्यार्थियों को अनुसरण करने के लिए कोई संरचना देता है: उदाहरण के लिए, कोई औपचारिक पत्र। आप विद्यार्थियों को अधिक जानकारी देकर उनकी अधिक सहायता कर सकते हैं: वाक्य, वाकयों के संकेत, महत्वपूर्ण शब्दावली इत्यादि। जब विद्यार्थी औपचारिक पत्र लिखने से अधिक परिचित हो जाएं, तो आप उनकी सहायता को कम कर सकते हैं (नमूना लेखन ढाँचे के लिए देखें संसाधन 2)।

अब इस बारे में पढ़ें कि एक शिक्षक अगली केस स्टडी में 'लापता शब्द' तकनीक का उपयोग कैसे करता है।

केस स्टडी **2:** श्रीमती मिश्रा लंबे पाठों को लिखने में अपने विद्यार्थियों की सहायता करती हैं

श्रीमती मिश्रा कक्षा 9 को अंग्रेजी पढ़ाती हैं। उन्होंने हाल ही में अंग्रेजी में स्वतंत्र रूप से लिखने में अपने विद्यार्थियों की मदद करने के लिए एक गतिविधि आजमाई जिसमें उन्होंने अध्याय के अंत में एक लेखन गतिविधि करने के लिए जरूरी भाषा देकर उनकी सहायता की।

उस अध्याय के अंत में जिसका हम अध्ययन कर रहे थे (NCERT Class IX textbook *Beehive*), में एक लेखन कार्य था:

> Pets have unique care and handling requirements and should only be kept by those with the commitment to understand and meet their needs. Give your argument *in support of* or *against* this statement.

मैं जानती थी कि मेरे अधिकतर विद्यार्थियों के लिए यह पैराग्राफ लिखना बहुत कठिन होगा – सबसे पहले तो, उन्हें यह भी पता नहीं होगा कि क्या कहें! इसलिए मैंने अपने विद्यार्थियों से इस बात पर चर्चा करते हुए कुछ मिनट बिताने को कहा कि पालतू जानवरों की जरूरतें क्या होती हैं। इससे उन्हें इस बारे में कुछ विचार उत्पन्न करने का मौका मिला कि वे क्या लिखना चाहते हैं। जब वे बात कर रहे थे, तब मैंने बोर्ड पर निम्नलिखित वाक्य लिखे:

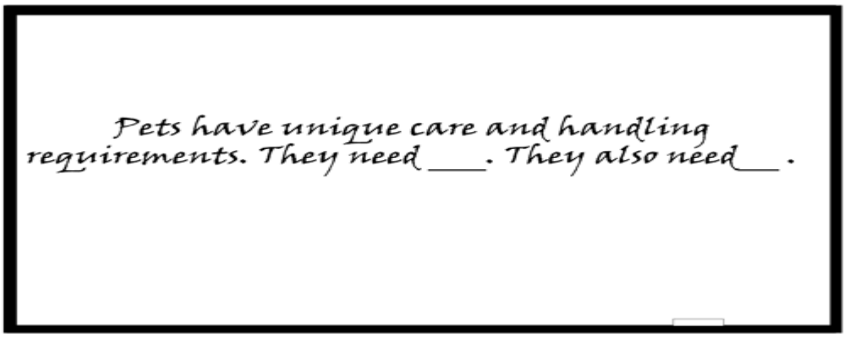

यह काम पूरा कर लेने के बाद, मैंने विद्यार्थियों से कुछ सुझाव देने को कहा। कुछ विद्यार्थियों ने अपने हाथ उठाए और सुझाव दिया कि जानवरों को भोजन, पानी और यदि वे बीमार हों तो उनकी देखभाल करने वाले किसी व्यक्ति की जरूरत पड़ती है। तब मैंने बोर्ड पर कुछ और वाक्य लिखे।

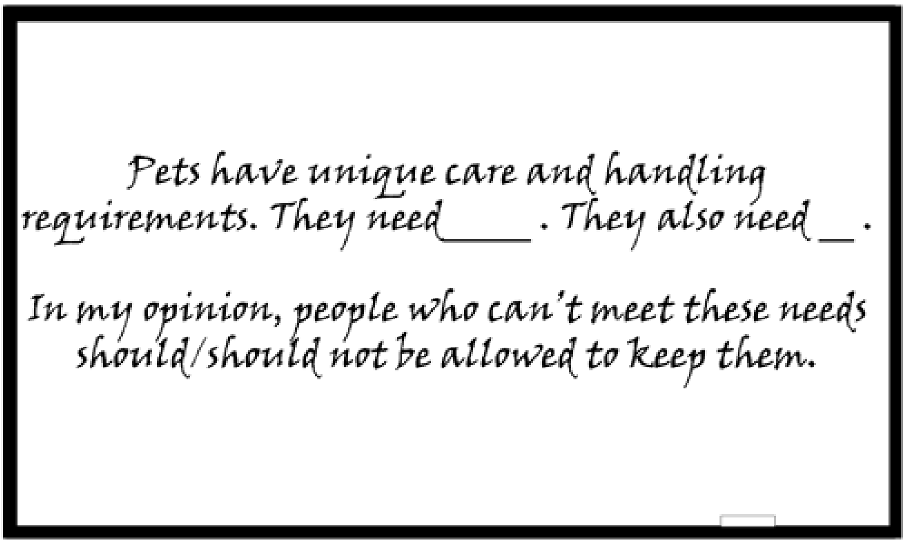

मैंने अपनी कक्षा से हाथ उठाने को कहा यदि उनके विचार से जो लोग जरूरतें पूरी नहीं कर सकते हैं उन्हें पालतू जानवर रखने की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए। सिर्फ कुछ ही विद्यार्थियों ने अपने हाथ उठाएं – मैंने एक विद्यार्थी से पूछा वह ऐसा क्यों सोचता है। उसने कहा शायद लोग सभी जरूरतें पूरी नहीं कर सकते होंगे, लेकिन हो सकता है वे कुछ जरूरतें पूरी कर सकते हैं, और यह जानवर के लिए कुछ भी न होने से बेहतर होगा। उसने यह बात अपनी घर की भाषा में कही, इसलिए मैंने कक्षा के अन्य विद्यार्थियों से पूछा कि क्या वे इसे अंग्रेजी में कहने में उसकी मदद कर सकते हैं। उन लोगों ने मिलकर एक उत्तर तैयार किया।

तब मैंने कक्षा से अपने हाथ उठाने को कहा कि क्या वे सोचते हैं कि केवल उन लोगों को पालतू जानवर रखने की अनुमति होनी चाहिए जो उनकी जरूरतें पूरी कर सकते हैं। अधिकांश विद्यार्थियों ने अपने हाथ उठाए। उन्होंने सोचा कि अगर वे अन्यथा करेंगे तो यह पालतू जानवरों के साथ अन्याय होगा। देवांग सोचता था कि पालतू जानवर परिवार के सदस्यों जैसे होते हैं। मैंने अपनी राय प्रकट करने के लिए उसकी प्रशंसा की और फिर यह बात अंग्रेजी में कहने में उसकी सहायता की। अब मैंने एक और वाक्य जोड़ा:

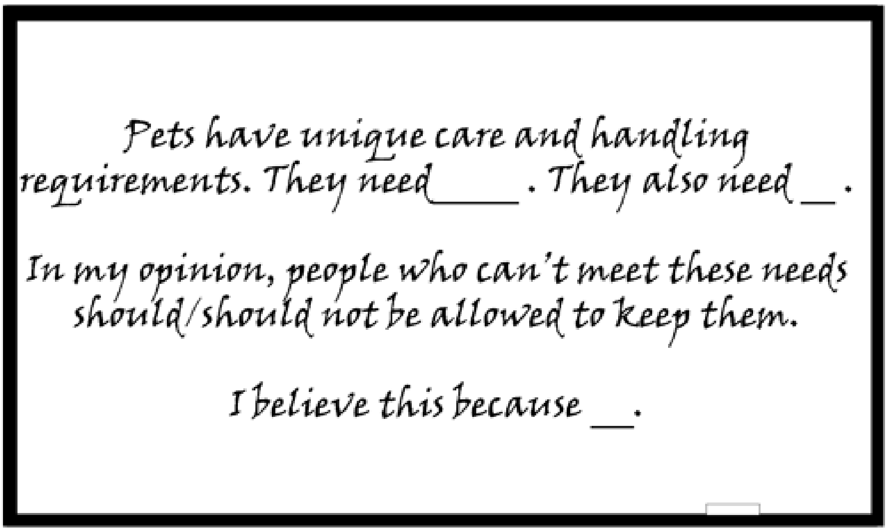

अब ब्लैकबोर्ड पर एक मॉडल पैराग्राफ था। मैंने विद्यार्थियों से पैराग्राफ को लिखने और उसे अपने विचारों से पूरा करने को कहा। जब विद्यार्थी काम कर रहे थे तब किसी भी प्रश्न के साथ मदद करने, और जहाँ मुझसे हो सका गलतियों को सुधारने के लिए मैं कक्षा में घूमती रही। अंत में प्रत्येक विद्यार्थी ने एक अनुच्छेद लिखा था, और मैंने अधिक आश्वस्त विद्यार्थियों को अधिक लिखने, और अधिक कारण देने के लिए प्रोत्साहित किया। मैंने एक या दो विद्यार्थियों से अपने अनुच्छेद पढ़कर सुनाने को कहा। इसके परिणामस्वरूप पशु कल्याण के बारे में एक काफी दिलचस्प चर्चा हुई। मैंने कभी अपेक्षा नहीं की थी कि विद्यार्थी इतने सारे दिलचस्प विचार पेश करेंगे। उन्हें सहायता प्रदान करने से, वे अपनी रायों को अंग्रेजी में व्यक्त करने में सक्षम हो गए थे। इस प्रकार की गतिविधियाँ अपने लेखन को सुधारने में मेरे विद्यार्थियों की निश्चित रूप से सहायता कर रही हैं, इसलिए मैं उन्हें आजमाना जारी रखूँगी। [अपने विद्यार्थियों की सहायता करने पर अधिक जानकारी के लिए, देखें संसाधन 3।]

वीडियो: मॉनीटरिंग करना और फीडबैक देना

गतिविधि 2: कक्षा में आजमाएं – किसी लंबे पाठ को स्वतंत्र रूप से लिखने में अपने विद्यार्थियों की सहायता करना
यह गतिविधि अधिक लंबा पाठ लिखने में आपके विद्यार्थियों की सहायता करती है। आप इसे किसी भी कक्षा के साथ उपयोग में ला सकते हैं। 1. अपनी पाठ्यपुस्तक से कोई लेखन कार्य चुनें या कोई लेखन कार्य बनाएं। उदाहरण के लिए, आप कोई कहानी अथवा कहानी या अध्याय का सारांश; कोई औपचारिक या अनौपचारिक पत्र; किसी अखबार या पत्रिका से कोई रिपोर्ट या लेख; कोई आवेदन पत्र; किसी चीज के बारे में राय प्रकट करता कोई पैराग्राफ या संभवतः कोई वर्णन चुन सकते हैं। 2. कक्षा के सम्मुख, लेखन कार्य करने में आपके विद्यार्थियों की मदद करने के लिए ऊपर वर्णित तकनीकों में से एक का चयन करें। आपके विद्यार्थियों के स्तर और आपके द्वारा चुनी गई तकनीक पर निर्भर करते हुए, आप छूटे हुए शब्दों वाला कोई पाठ, कोई नमूना या कोई लेखन ढाँचा तैयार करेंगे। आप इसे चार्ट पेपर की एक बड़ी शीट पर लिख सकते हैं और उसे ब्लैकबोर्ड पर चिपका सकते हैं, या संभव हो तो उसे कक्षा के सम्मुख ब्लैकबोर्ड पर लिख सकते हैं। 3. अपने विद्यार्थियों से आपके द्वारा मार्गदर्शक के रूप में तैयार किए गए संसाधन का उपयोग करते हुए लेखन कार्य को शुरू करने को कहें। जब विद्यार्थी काम कर रहे हों, तब जरूरत होने पर मदद करने के लिए कमरे में घूमें। अपने विद्यार्थियों को एक समय सीमा दें। 4. जब वे तैयार हो जाएं, तो दो या तीन विद्यार्थियों से अपना काम पढ़कर सुनाने को कहें। शेष कक्षा को सुनकर यह देखना चाहिए कि क्या उन्होंने ऐसा ही कुछ या अलग अलग लिखा है। अन्य विद्यार्थियों से टिप्पणियाँ करने और जोड़ने को कहें।

विचार कीजिए

यहाँ इस गतिविधि को आजमाने के बाद आपके विचार करने के लिए कुछ प्रश्न दिए गए हैं। यदि संभव हो, तो इन प्रश्नों की चर्चा किसी सहकर्मी के साथ करें।

इस गतिविधि को अपने विद्यार्थियों के साथ आजमाने के बाद, निम्नलिखित प्रश्नों के बारे में सोचें:

- क्या उन्हें यह आसान या कठिन लगा?
- क्या कोई आम गलतफ़हमियाँ हुईं? यदि ऐसा हुआ था, तो आप भविष्य में उनकी मदद कैसे कर सकते हैं?

याद रखें कि किसी दूसरी भाषा में लिखना कठिन होता है – इसके बारे में इतना सोचना जो पड़ता है! सकारात्मक और प्रोत्साहक बनें, और अपने विद्यार्थियों को बताएं कि लिखने का तरीका सीखने के लिए उन्हें अभ्यास करने की जरूरत पड़ेगी। यदि आपके अधिकांश विद्यार्थियों को कठिनाई हुई, तो अगली बार उन्हें उनकी जरूरत की अधिक भाषा देकर उनकी सहायता करें, और क्या कहना है इस बारे में विचार देकर उनकी मदद करें। आपको इस बारे में अधिक विचार इकाई *समग्र-कक्षा लेखन दिनचर्याएं* में मिल सकते हैं।

4 अपने विद्यार्थियों के लेखन कार्य में सुधार को व्यवस्थित करना

जब विद्यार्थी स्वतंत्र रूप से लिखते हैं, तब वे उससे अधिक गलतियाँ करेंगे जो वे नकल करते समय या याद किए हुए पाठों को लिखते समय करते हैं। आपको लग सकता है कि इसका मतलब यह है कि आपके विद्यार्थी उतनी अच्छी तरह से काम नहीं कर रहे हैं। तथापि, गलतियाँ करना भाषा को सीखने की प्रक्रिया का स्वाभाविक हिस्सा है और इस बात का संकेत है कि आपके विद्यार्थी भाषा को सीख रहे हैं और आत्मसात कर रहे हैं। आप इन गलतियों का उपयोग आपके विद्यार्थियों की भाषा को सीखने की प्रक्रिया में सहायता करने के अवसर के रूप में कर सकते हैं।

विद्यार्थियों को उनके लेखन पर सकारात्मक और उत्साह बढाने वाली प्रतिक्रिया देने से उन्हें अपने लेखन को सीखने और सुधारने में मदद मिल सकती है। आप सोच सकते हैं कि, आपके सभी विद्यार्थियों के लिखित काम को सुधारना कठिन है, खास तौर पर यदि आपकी कक्षा बड़ी है। आपको

लग सकता है कि प्रत्येक विद्यार्थी के काम को देखने के लिए पर्याप्त समय उपलब्ध नहीं है या बहुत सारी अलग अलग गलतियों से निपटने की जरूरत है। ये सब आम समस्याएं हैं जिनका सामना शिक्षक करते हैं, चाहे वे किसी भी स्तर के विद्यार्थियों को पढ़ाते हों। तथापि, ऐसे कुछ तरीके हैं जिनसे आप विद्यार्थियों के काम को सही करने के काम को अधिक आसान बना सकते हैं:

- याद रखें कि हर बार जब वे लिखें तब हर विद्यार्थी के काम की जाँच करना आपके लिए जरूरी नहीं है। आप कुछ समय में कुछ विद्यार्थियों के काम को सही करने और उसकी समीक्षा करने का निश्चय कर सकते हैं। समय के बीतने के साथ, आपको हर विद्यार्थी के काम को सुधारने और उसकी समीक्षा करने का मौका मिलेगा। आकलन के प्रयोजनों के लिए अपने विद्यार्थियों के काम के रिकार्ड रखें।
- यदि लेखन के अभ्यास सरल हैं (उदाहरण के लिए, बोध संबंधी प्रश्नों या व्याकरण के अभ्यासों के लघु उत्तर), आप सही उत्तरों को ब्लैकबोर्ड पर लिख सकते हैं या उन्हें पढ़कर सुना सकते हैं और विद्यार्थी स्वयं अपने या अपने बगल वाले विद्यार्थी के काम को सही कर सकते हैं। इससे उन्हें अपने स्वयं के लेखन और उन्हें कहाँ सुधार करना है इस बात का बेहतर बोध मिलता है।
- अपने विद्यार्थियों से कभी-कभी जोड़ियों या समूहों में लेखन गतिविधियाँ करवाएं। इसका मतलब है कि विद्यार्थी अपने विचारों को साझा कर सकते हैं, और एक दूसरे की मदद कर सकते हैं। वे कोई पाठ मिलकर लिख सकते हैं, जिसका मतलब है कि आपके सही करने के लिए काम कम होगा।
- जबकि हर विद्यार्थी अलग होता है और उसे कम या अधिक सहायता की जरूरत पड़ सकती है, ऐसी गलतियाँ हो सकती हैं जो आपके विद्यार्थियों के समूह में आम हों – आप इन पर ध्यान देकर उनकी प्रगति में मदद कर सकते हैं। जब आपके विद्यार्थी लिख रहे हों, तब कमरे में घूमें और आम, सामान्य गलतियाँ नोट करें। गलतियों वाले कुछ वाक्य ब्लैकबोर्ड पर लिखें (नाम बताए बिना) और अपने विद्यार्थियों से गलतियों को पहचानने और उन्हें सुधारने को कहें।
- बस कुछ गलतियों पर ध्यान केंद्रित करें – शायद कभी एक बार कालों (Tenses) पर जोर देते हुए और कभी विराम चिह्नों या व्याकरण पर। आप अपनी समझ के अनुसार जिसे चाहें उसे प्राथमिकता देने का निश्चय कर सकते हैं। अपने विद्यार्थियों को बताएं कि आप किस बात पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं – कोई बात नहीं यदि वे सही करने के लिए अन्य गलतियों की पहचान करते हों। सुनिश्चित करें कि उन्हें पता हो कि आप गलतियों को नज़रअंदाज नहीं कर रहे हैं।
- अपने विद्यार्थियों से उनकी नोटबुकों में उन गलतियों की एक सूची बनवाएं जो वे बार-बार करते हैं। फिर जब भी वे लिखते हों तब इस सूची में देख सकते हैं। इससे विद्यार्थियों को अधिक स्वतंत्र बनने में मदद मिलती है और उन्हें क्या सुधार करना चाहिए इस बात का बेहतर बोध मिलेगा। यह उन चीजों की एक त्वरित 'जाँचसूची' का काम भी कर सकती है जिन पर उन्हें अपने लेखन में सुधार करने के लिए अधिक ध्यान देने की जरूरत है।
- गलतियों की ओर सकारात्मक रूख बनाए रखें और अपने विद्यार्थियों में इसे बढ़ावा दें। गलतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों को दंडित नहीं करें। याद रखें कि नई भाषा में लिखते समय विद्यार्थियों का गलतियाँ करना सामान्य बात है, और गलतियाँ दर्शाती हैं कि वे सीख रहे हैं। अपने विद्यार्थियों को याद दिलाएं कि हर कोई कभी न कभी गलतियाँ करता है – जिसमें आप भी शामिल हैं!
- अपने विद्यार्थियों को जितना अधिक संभव हो स्वतंत्र रूप से लिखने को प्रोत्साहित करें – और उसका आनंद लेने में उनकी मदद करें। उन्हें लिखने में और भी अधिक आनंद आएगा यदि वे देखते हैं कि इससे उन्हें विद्यालय से परे जीवन में मदद मिल सकती है, और यदि उन्हें अपने स्वयं के विचारों को व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। यदि वे अंग्रेजी में लिखने के महत्व को देख सकें, तो इससे उन्हें अधिक अभ्यास करने और इस तरह अधिक सीखने की प्रेरणा मिलेगी।

गतिविधि 3: अपने विद्यार्थियों के लिखित काम को सुधारना

अपने विद्यार्थियों के लिखित काम को सुधारने के प्रबंधन के लिए आप विविध प्रकार की तकनीकों का उपयोग कर सकते हैं। नीचे दी गई तालिका 1 के समान योजना बनाएं कि आप इसे अगले महीने भर में कैसे करने जा रहे हैं। इस बारे में कार्यनीतियों के बारे में सोचना याद रखें कि फीडबैक का उपयोग कैसे करना है ताकि वह इस बात पर केंद्रित हो कि विद्यार्थी कैसे सुधार कर सकते हैं।

तालिका 1 अपने विद्यार्थियों के लिखित काम को सुधारना।

कक्षा और अध्याय:				
सप्ताह	सुधारा जाने वाला लिखित काम	मैं इसे कैसे सही करूँगा?	मैं किसके काम को सही करूँगा?	इसे कैसे आगे ले जाया जाय?
1				
2				
3				
4				

तालिका 2 में एक पूरे किए गए फार्म का उदाहरण दर्शाया गया है।

*तालिका **2** अपने विद्यार्थियों के लिखित काम को सुधारना – पूरा किया गया उदाहरण।*

कक्षा और अध्याय:		Class X, *Beehive* Chapter 5, 'The Snake and the Mirror'		
सप्ताह	सुधारा जाने वाला लिखित काम	मैं इसे कैसे सही करूँगा?	मैं किसके काम को सही करूँगा?	इसे कैसे आगे ले जाया जाय?
1	अध्याय के बारे में प्रश्नों के उत्तर देना विद्यार्थी जोड़ियों में उत्तर लिखते हैं	जब विद्यार्थी लिख रहे हों तब कमरे में घूमें और जितने संभव हो उतने उत्तरों को सही करें सारी कक्षा के साथ सही उत्तरों की समीक्षा करना	मैंने कुछ समय से कमरे में पीछे बैठे विद्यार्थियों को नहीं देखा है – मैं उनके काम पर एक नज़र डालूँगा	जो विद्यार्थी कठिनाई में लगते हैं उन्हें अतिरिक्त सहायता दें
2	Reported Speech पर व्याकरण का अभ्यास	ब्लैकबोर्ड पर सही उत्तर लिखना विद्यार्थियों द्वारो स्वयं के काम को सही करना।		विद्यार्थियों को इस बात का बोध होता है कि क्या उन्हें इस क्षेत्र में अधिक काम करने की जरूरत है जिन्हें जरूरत हो उन्हें आगे का अभ्यास सुझाएं
3	जोड़ी में लिखवाना	विद्यार्थियों द्वारा एक दूसरे के काम को सही करने के लिए पाठ्यपुस्तक का उपयोग करना।		विद्यार्थी स्पेलिंग की गलतियों को नोट करके उन पर काम करते हैं
4	चित्र के आधार पर कहानी लिखना विद्यार्थी जोड़ियों में कहानियाँ लिखते हैं	दस जोड़ियों से कहानियाँ लेंना और उन्हें सही करना।	नाम: राजू, निमिषा, अब्दुल, आलिया, नीलम, ब्रजेश, सुमन, अशरफ, रवींदर, रीना	विद्यार्थियों को भूत काल के साथ समस्याएं हुई अगली कक्षा में समीक्षा करना।

विचार कीजिए

अपनी योजना का पालन एक महीने तक करने के बाद, इन प्रश्नों के उत्तर दें:

- योजना का पालन करना कितना आसान था? यदि वह आसान नहीं था, तो आप उसे कैसे बदल सकते हैं?
- आप अपने विद्यार्थियों के कितने काम की समीक्षा करने और सही करने में सफल रहे?

इस तरह की योजनाएं बनाना उपयोगी होता है ताकि आपको पता रहे कि आपके विद्यार्थी कब लिखित काम करने जा रहे हैं, और आप विभिन्न विद्यार्थियों के काम की समीक्षा कर सकें। महीनों के बीतने के साथ, आप अपने सारे विद्यार्थियों के काम की समीक्षा और उनकी प्रगति की निगरानी करेंगे। इस तरह आप और उन्हें दोनों को अपनी शक्तियों और सुधार के लिए क्षेत्रों का बेहतर बोध मिलेगा, और आप देख सकेंगे कि आपको अपने अध्यापन को कहाँ पर केंद्रित करने की जरूरत है। लिखित काम को सही करने, प्रतिक्रिया देने और उसका उपयोग आकलन के प्रयोजनों के लिए करने के बारे में जानकारी के लिए इकाई *निर्माणात्मक आकलन के माध्यम से भाषा सीखने में सहायता करना* देखें।

यदि आपकी योजना ने उस तरह से काम नहीं किया है जैसी आपको उससे उम्मीद थी, तो एक और योजना बनाएं और कुछ अलग तकनीकों को आजमाएं – देखें कि आप और आपकी कक्षा के लिए क्या चीज सर्वोत्तम ढंग से काम करती है। महत्वपूर्ण चीज है अपने विद्यार्थियों को यथा संभव सकारात्मक और उत्साहवर्धक प्रतिक्रिया देने का प्रयास करते रहना ताकि वे सुधार करना जारी रख सकें।

5 सारांश

पाठों की नकल करने और याद करने से हटकर उनके अपने उत्तर और रचनाएं लिखने में आप अपने विद्यार्थियों की मदद कर सकते हैं। बोध संबंधी प्रश्नों के लिए उनके अपने उत्तरों की रचना करने में आप उनकी मदद निम्न तरह से कर सकते हैं:

- उन्हें अपने उत्तरों के बारे में सोचने के लिए समय देकर
- अपने उत्तरों पर चर्चा करके उनकी रचना करने के लिए उन्हें समूहों में काम करने को प्रोत्साहित करके
- ऐसे मॉडल और लेखन ढाँचे प्रदान करके जिन्हें वे अपनी क्षमताओं और आत्मविश्वास के अनुसार ढाल सकते हैं।

अगर वे अपने स्वयं के शब्दों का प्रयोग करके लिखते हैं तो वे अधिक गलतियाँ करेंगे, लेकिन यह सीखने की प्रक्रिया का अंग है। अपने विद्यार्थियों को लिखित काम को प्रबंधन करने के लिए आप अलग अलग कार्यनीतियों का उपयोग कर सकते हैं और उनकी गलतियों को सीखने के अवसरों के रूप में उपयोग में ला सकते हैं।

समय के साथ और अभ्यास से, आपके विद्यार्थी वह आत्मविश्वास और कौशल का विकास करेंगे जिनकी अंग्रेजी में स्वतंत्र रूप से पाठों को लिखने के लिए उनको जरूरत पड़ती है।

यदि आप अंग्रेजी में स्वयं अपने लेखन कौशलों का विकास करना चाहते हैं, तो संसाधन 4 देखें। यदि आप लेखन पढ़ाने के बारे में अधिक पढ़ने में रुचि रखते हैं, तो अतिरिक्त संसाधन खंड देखें।

इस विषय पर अन्य माध्यमिक अंग्रेजी शिक्षक विकास इकाइयाँ ये हैं:

- *अपने लेखन कौशलों को विकसित करने में विद्यार्थियों की मदद करना.* इस इकाई में आप अधिक लंबे पाठ लिखने में विद्यार्थियों की सहायता करने, और अपने लेखन कौशलों को विकसित करने में उनकी मदद करने के तरीकों के बारे में अधिक सीख सकते हैं।
- *निर्माणात्मक आकलन के माध्यम से भाषा सीखने में सहायता करना.* इस इकाई में आप लिखित काम पर प्रतिक्रिया देने और उसका आकलन करने के बारे में सीख सकते हैं।

संसाधन

संसाधन 1: समूह कार्य का उपयोग करना

समूहकार्य एक व्यवस्थित, सक्रिय, अध्यापन कार्यनीति है जो विद्यार्थियों के छोटे समूहों को एक आम लक्ष्य की प्राप्त के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित करती है। ये छोटे समूह संरचित गतिविधियों के माध्यम से अधिक सक्रिय और प्रभावी सीखने की प्रक्रिया को बढ़ावा देते हैं।

समूह कार्य के लाभ

विद्यार्थियों को सोचने, संवाद कायम करने, समझने और विचारों का आदान-प्रदान करने और निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित करके सीखने हेतु उन्हें प्रेरित करने का बहुत ही प्रभावी तरीका हो सकता है। आपके विद्यार्थी दूसरों को सिखा भी सकते हैं और उनसे सीख भी सकते हैं: यह सीखने का एक सशक्त और सक्रिय तरीका है।

समूहकार्य में विद्यार्थियों का समूहों में बैठना ही काफी नहीं होता है; इसमें स्पष्ट उद्देश्य के साथ सीखने के साझा कार्य पर काम करना और उसमें योगदान करना शामिल होता है। आपको इस बात को लेकर स्पष्ट होना होगा कि आप सीखने के लिए समूहकार्य का उपयोग क्यों कर रहे हैं और जानना होगा कि यह भाषण देने, जोड़ी में कार्य या विद्यार्थियों के स्वयं अपने बलबूते पर कार्य करने के ऊपर तरजीह देने योग्य क्यों है। इस तरह समूहकार्य को सुनियोजित और प्रयोजनपूर्ण होना चाहिए।

समूहकार्य को नियोजित करना

आप समूहकार्य का उपयोग कब और कैसे करेंगे यह इस बात पर निर्भर करेगा कि अध्याय के अंत तक आप कौन सी सीखने की प्रक्रिया पूरी करना चाहते हैं। समूहकार्य को आप अध्ययन के आरंभ, अंत या उसके बीच में शामिल कर सकते हैं, लेकिन आपको पर्याप्त समय का प्रावधान करना होगा। आपको उस काम के बारे में जो आप अपने विद्यार्थियों से पूरा करवाना चाहते हैं और समूहों को संगठित करने के सर्वोत्तम तरीके के बारे में सोचना होगा।

एक शिक्षक के रूप में, आप सुनिश्चित कर सकते हैं कि समूहकार्य सफल हो यदि आप निम्न के बारे में पहले से योजना बनाते हैं:

- सामूहिक गतिविधि के लक्ष्य और अपेक्षित परिणाम
- गतिविधि के लिए आबंटित समय, जिसमें कोई भी प्रतिक्रिया या सारांश कार्य शामिल है
- समूहों को कैसे बाँटें (कितने समूह, प्रत्येक समूह में कितने छात्र, समूहों के लिए मापदंड)
- समूहों को कैसे संगठित करें (समूह के विभिन्न सदस्यों की भूमिका, आवश्यक समय, सामग्रियाँ, रिकार्ड करना और रिपोर्ट करना)
- कोई भी आकलन कैसे किया और रिकार्ड किया जाएगा (व्यक्तिगत आकलनों को सामूहिक आकलनों से अलग पहचानने का ध्यान रखें)
- समूहों की गतिविधियों पर आप कैसे निगरानी रखेंगे।

समूहकार्य की गतिविधियाँ

वह काम जो आप अपने विद्यार्थियों को पूरा करने को कहते हैं वह इस पर निर्भर होता है कि आप उन्हें क्या सिखाना चाहते हैं। समूहकार्य में भाग लेकर, वे एक-दूसरे को सुनने, अपने विचारों को समझाने और आपसी सहयोग से काम करने जैसे कौशल सीखेंगे। तथापि, उनके लिए मुख्य लक्ष्य है जो विषय आप पढ़ा रहे हैं उसके बारे में कुछ सीखना। कार्यों के कुछ उदाहरणों में निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं:

- प्रस्तुतिकरण: विद्यार्थी समूहों में काम करके शेष कक्षा के लिए प्रस्तुतिकरण तैयार कर सकते हैं। यह तब सबसे बढ़िया काम करता है जब प्रत्येक समूह के पास विषय का अलग अलग पहलू होता है, ताकि उन्हें एक ही विषय को कई बार सुनने की बजाय एक दूसरे की बात सुनने के लिए प्रेरित किया जा सके। प्रस्तुतिकरण करने के लिए प्रत्येक समूह को दिए गए समय के बारे में काफी सख्ती बरतें और अच्छे प्रस्तुतिकरण के लिए मापदंडों का एक समुच्चय तय करें। इन्हें अध्याय से पहले बोर्ड पर लिखें। विद्यार्थी मापदंडों का उपयोग अपने प्रस्तुतिकरण की योजना बनाने और एक दूसरे के काम का आकलन करने के लिए कर सकते हैं। मापदंडों में निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं:
    - क्या प्रस्तुतिकरण स्पष्ट था?
    - क्या प्रस्तुतिकरण सुसंरचित था?
    - क्या प्रस्तुतिकरण से मैंने कुछ सीखा?
    - क्या प्रस्तुतिकरण ने मुझे सोचने पर मजबूर किया?
- समस्या का हल करना: विद्यार्थी किसी समस्या या समस्याओं की शृंखला को हल करने के लिए समूहों में काम करते हैं। इसमें विज्ञान में प्रयोग करना, गणित में समस्याओं को हल करना, अंग्रेजी में किसी कहानी या कविता का विश्लेषण करना, या इतिहास में प्रमाण का विश्लेषण करना शामिल हो सकता है।
- किसी शिल्पकृति या उत्पाद का सृजन करना: विद्यार्थी किसी कहानी, नाटक के अंश, संगीत के अंश, किसी अवधारणा को समझाने के लिए मॉडल, किसी मुद्दे पर समाचार रिपोर्ट या जानकारी का सारांश बनाने या किसी अवधारणा को समझाने के लिए पोस्टर को विकसित करने के लिए समूहों में काम करते हैं। नए विषय के आरंभ में विचारमंथन या दिमागी नक्शा बनाने के लिए समूहों को पाँच मिनट देकर आप इस बारे में बहुत कुछ जान सकेंगे कि उन्हें पहले से क्या पता है, और इससे अध्याय को उपयुक्त स्तर पर स्थापित करने में आपको मदद मिलेगी।
- अलग किये गये विभाजित काम: समूहकार्य अलग अलग उम्रों या दक्षता स्तरों वाले विद्यार्थियों को किसी उपयुक्त काम पर मिलकर काम करने का अवसर प्रदान करता है। उच्चतर दक्षता वालों को काम को स्पष्ट करने के अवसर से लाभ मिल सकता है, जबकि कमतर दक्षता वाले विद्यार्थियों को कक्षा की बजाय समूह में प्रश्न पूछना अधिक आसान लग सकता है, और वे अपने सहपाठियों से सीखेंगे।
- चर्चा: विद्यार्थी किसी मुद्दे पर विचार करते हैं और एक निष्कर्ष पर पहुँचते हैं। इसके लिए आपकी ओर से काफी तैयारी की जरूरत पड़ सकती है ताकि सुनिश्चित हो कि विद्यार्थियों के पास विभिन्न विकल्पों पर विचार करने के लिए पर्याप्त ज्ञान है, लेकिन किसी चर्चा या वाद-विवाद को आयोजित करना आप और उन, दोनों के लिए बहुत लाभदायक हो सकता है।

समूहों को संगठित करना

चार या आठ के समूह आदर्श होते हैं लेकिन यह आपकी कक्षा के आकार, भौतिक पर्यावरण और फर्नीचर, तथा आपकी कक्षा की दक्षता और उम्र के दायरे पर निर्भर करेगा। आदर्श रूप से समूह में हर एक को एक दूसरे से मिलने, बिना चिल्लाए बातचीत करने और समूह के परिणाम में योगदान करना चाहिए।

- तय करें कि आप विद्यार्थियों को कैसे और क्यों समूहों में विभाजित करेंगे; उदाहरण के लिए, आप समूहों को मित्रता, रुचि या मिश्रित दक्षता के अनुसार विभाजित कर सकते हैं। अलग अलग तरीकों से प्रयोग करें और समीक्षा करें कि प्रत्येक कक्षा के लिए क्या सर्वोत्तम ढंग से काम करता है।
- इस बात की योजना बनाएं कि समूह के सदस्यों को आप क्या भमिकाएं देंगे (उदाहरण के लिए, नोट्स लेने वाला, प्रवक्ता, टाइम कीपर या उपकरण का संग्रहकर्ता), और कि इसे कैसे स्पष्ट करेंगे।

समूह में कार्य का प्रबंधन करना

अच्छे समूहकार्य को प्रबंधित करने के लिए आप दिनचर्याएं और नियम निर्धारित कर सकते हैं। जब आप समूहकार्य का नियमित रूप से उपयोग करते हैं, तब विद्यार्थियों को पता चल जाता है कि आप क्या चाहते हैं और वे उसे आनंदमय पाएंगे। आरंभ में टीमों और समूहों में मिलकर काम करने के लाभों को पहचानने के लिए आपकी कक्षा के साथ काम करना एक अच्छा विचार होता है। आपको चर्चा करनी चाहिए कि अच्छा समूहकार्य बर्ताव क्या होता है और संभव हो तो 'नियमों' की एक सूची बना सकते हैं जिसे प्रदर्शित किया जा सकता है; उदाहरण के लिए, 'एक दूसरे के लिए सम्मान', 'सुनना', 'एक दूसरे की सहायता करना', 'एक विचार से अधिक को आजमाना' आदि।

समूहकार्य के बारे में स्पष्ट मौखिक अनुदेश देना महत्वपूर्ण है जिसे ब्लैकबोर्ड पर संदर्भ के लिए लिखा भी जा सकता है। आपको:

- अपनी योजना के अनुसार अपने विद्यार्थियों को उन समूहों की ओर निर्देशित करना होगा जिनमें वे काम करेंगे। ऐसा आप शायद कक्षा में ऐसे स्थानों को निर्दिष्ट करके कर सकते हैं जहाँ वे काम करेंगे या किसी फर्नीचर या विद्यालय के बैगों को हटाने के बारे में अनुदेश देकर कर सकते हैं।
- कार्य के बारे में बहुत स्पष्ट होना और उसे बोर्ड पर लघु अनुदेशों या चित्रों के रूप में लिखना चाहिए। अपने शुरू करने से पहले विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने की अनुमति प्रदान करें।

अध्याय के दौरान, कमरे में घूमकर देखें और जाँचें कि समूह किस प्रकार काम कर रहे हैं। यदि वे कार्य से विचलित हो रहे हैं या अटक रहे हैं तो जहाँ जरूरत हो वहाँ सलाह प्रदान करें।

आप कार्य के दौरान समूहों को बदलना चाह सकते हैं। जब आप समूहकार्य के बारे में आत्मविश्वास महसूस करने लगें तब दो तकनीकें आजमाई जा सकती हैं – वे बड़ी कक्षा को प्रबंधित करते समय खास तौर पर उपयोगी होती हैं:

- **'विशेषज्ञ समूह':** प्रत्येक समूह को अलग अलग कार्य दें, जैसे विद्युत उत्पन्न करने के एक तरीके पर शोध करना या किसी नाटक के लिए किरदार विकसित करना। एक उपयुक्त समय के बाद, समूहों को पुनर्गठित करें ताकि हर नया समूह सभी मूल समूहों से आए एक 'विशेषज्ञ' से बने। फिर उन्हें ऐसा काम दें जिसमें सभी विशेषज्ञों के ज्ञान की तुलना करना शामिल हो जैसे निश्चय करना कि किस तरह के पॉवर स्टेशन का निर्माण करना है या नाटक के अंश को तैयार करने का निर्णय करना।
- **'दूत':** यदि काम में कुछ बनाना या किसी समस्या का हल करना शामिल है, तो कुछ देर बाद, हर समूह से किसी अन्य समूह को एक दूत भेजने के कहें। वे विचारों या समस्या के हलों की तुलना कर सकते हैं और फिर वापस अपने समूह को सूचित कर सकते हैं। इस तरह से, समूह एक दूसरे से सीख सकते हैं।

काम के अंत में, इस बात का सारांश बनाएं कि क्या सीखा गया है और आपको नज़र आने वाली गलतफहमियों को सही करें। आप चाहें तो हर समूह की प्रतिक्रिया सुन सकते हैं, या केवल उन एक या दो समूहों से पूछ सकते हैं जिनके पास आपको लगता है कि अच्छे विचार हैं। विद्यार्थियों की रिपोर्टिंग को संक्षिप्त रखें और उन्हें अन्य समूहों के काम पर प्रतिक्रिया देने को प्रोत्साहित करें, जिसमें उन्हें पहचानना चाहिए कि क्या अच्छी तरह से किया गया है, क्या दिलचस्प था और किसे आगे और विकसित किया जा सकता है।

यदि आप अपनी कक्षा में समूहकार्य को अपनाना चाहते हैं तो भी आपको कभी-कभी इसका नियोजन कठिन लग सकता है क्योंकि कुछ छात्र:

- सक्रिय सीखने की प्रक्रिया का प्रतिरोध करते हैं और उसमें संलग्न नहीं होते
- हावी होने लगते हैं
- खराब अंतर्वैयक्तिक कौशलों या आत्मविश्वास के अभाव के कारण भाग नहीं लेते हैं।

समूहकार्य में प्रभावी बनने के लिए, शिक्षण के परिणाम कितनी हद तक पूरे हुए और आपके विद्यार्थियों ने कितनी अच्छी तरह से प्रतिक्रिया की (क्या वे सभी लाभान्वित हुए?) जैसी बातों पर विचार करने के अलावा, उपरोक्त सभी बिंदुओं पर विचार करना महत्वपूर्ण होता है। समूह के काम, संसाधनों, समय-सारणियों या समूहों की रचना में किसी भी समायोजन पर विचार करें और सावधानीपूर्वक उनकी योजना बनाएं।

शोध ने सुझाया है कि समूहों में सीखने की प्रक्रिया को हर समय ही विद्यार्थियों की उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभावों से युक्त होना जरूरी नहीं है, इसलिए आप हर अध्याय में इसका उपयोग करने के लिए बाध्य नहीं हैं। आप चाहें तो समूहकार्य का उपयोग एक पूरक तकनीक के रूप में कर सकते हैं, उदाहरण के लिए विषय परिवर्तन के बीच अंतराल या कक्षा में चर्चा को अकस्मात शुरु करने के साधन के रूप में कर सकते हैं। इसका उपयोग विवाद को हल करने या कक्षा में अनुभवजन्य शिक्षण गतिविधियाँ और समस्या का हल करने के अभ्यास शुरू करने या विषयों की समीक्षा करने के लिए भी किया जा सकता है।

संसाधन 2: एक पत्र का नमूना लेखन ढाँचा जिसका उपयोग आप अपने विद्यार्थियों की स्वतंत्र रूप से लिखने में मदद करने के लिए कर सकते हैं

To
The Headmistress,
D.D.B. Girls' High School,
Golaghat

Date: 1st June, 2014

Subject: Request for leave of absence

Madam,
I would like to inform you that I could not attend my classes on 28th and 29th May, 2014 because I was suffering from fever. A medical certificate is enclosed with this application for your consideration.
I hope you will kindly grant me leave of absence for these two days.
Yours faithfully,
Barsha Dutta
Roll No. 32
Class IX A

संसाधन 3: मॉनिटरिंग करना और फीडबैक देना

विद्यार्थियों के कार्यप्रदर्शन में सुधार करने में लगातार निगरानी करना और उन्हें प्रतिक्रिया देना शामिल होता है, ताकि उन्हें पता रहे कि उनसे क्या अपेक्षित है और उन्हें कामों का पूरा करने पर प्रतिक्रिया प्राप्त हो। आपकी रचनात्मक प्रतिक्रिया के माध्यम से वे अपने कार्यप्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं।

निगरानी करना

प्रभावी शिक्षक अधिकांश समय अपने विद्यार्थियों की निगरानी करते हैं। सामान्य तौर पर, अधिकांश शिक्षक अपने विद्यार्थियों के काम की निगरानी वे कक्षा में जो कुछ करते हैं उसे सुनकर और देखकर करते हैं। विद्यार्थियों की प्रगति की निगरानी करना महत्वपूर्ण होता है क्योंकि इससे उन्हें निम्नलिखित में मदद मिलती है:

- अधिक ऊँचे ग्रेड प्राप्त करना
- अपने कार्यप्रदर्शन के बारे में अधिक सजग रहना और अपनी सीखने की प्रक्रिया के प्रति अधिक जिम्मेदार होना
- अपनी सीखने की प्रक्रिया में सुधार करना
- प्रादेशिक और स्थानीय मानकीकृत परीक्षाओं में उपलब्धि का पूर्वानुमान करना।

इससे आपको एक शिक्षक के रूप में निम्नलिखित तै करने में भी मदद मिलती है:

- कब प्रश्न पूछें या प्रोत्साहित करें
- कब प्रशंसा करें
- चुनौती दें या नहीं
- एक काम में विद्यार्थियों के अलग अलग समूहों को कैसे शामिल करें

- गलतियों के विषय में क्या करें।

विद्यार्थी सबसे अधिक सुधार तब करते हैं जब उन्हें उनकी प्रगति के बारे में स्पष्ट और शीघ्र प्रतिक्रिया दी जाती है। निगरानी करने का उपयोग करना, आपको विद्यार्थियों को बताने कि वे कैसे काम कर रहे हैं और उनके सीखने की प्रकिया को उन्नत करने में उन्हें किस अन्य चीज की जरूरत है, इस बारे में नियमित प्रतिक्रिया देने में सक्षम करेगा।

आपके सामने आने वाली चुनौतियों में से एक होगी अपने विद्यार्थियों की उनके स्वयं के सीखने के लक्ष्यों को तय करने में मदद करना, जिसे स्व-निगरानी भी कहा जाता है। छात्र, विशेष तौर पर, कठिनाई अनुभव करने वाले छात्र, अपनी स्वयं की सीखने की प्रक्रिया का बोझ उठाने के आदी नहीं होते हैं। लेकिन आप किसी परियोजना के लिए अपने स्वयं के लक्ष्य या उद्देश्य तय करने, अपने काम की योजना बनाने और समय सीमाएं तय करने, और अपनी प्रगति की स्व-निगरानी करने में किसी भी विद्यार्थी की मदद कर सकते हैं। स्व-निगरानी के कौशल की प्रक्रिया का अभ्यास और उसमें महारत हासिल करना उनके लिए विद्यालय और उनके सारे जीवन में उपयोगी साबित होगा।

विद्यार्थियों की बात सुनना और अवलोकन करना

अधिकांश समय, शिक्षक स्वाभाविक रूप से विद्यार्थियों की बात सुनते और उनका अवलोकन करते हैं; यह निगरानी करने का एक सरल साधन है। उदाहरण के लिए, आप:

- अपने विद्यार्थियों को ऊँची आवाज में पढ़ते समय सुन सकते हैं
- जोड़ियों या समूहकार्य में चर्चाएं सुन सकते हैं
- विद्यार्थियों को कक्षा के बाहर या कक्षा में संसाधनों का उपयोग करते देख सकते हैं
- समूहों के काम करते समय उनकी शारीरिक भाषा का अवलोकन कर सकते हैं।

सुनिश्चित करें कि आप जो विचार एकत्रित करते हैं वे विद्यार्थियों के सीखने की प्रक्रिया या प्रगति का सच्चा प्रमाण हो। सिर्फ वही बात रिकार्ड करें जो आप देख सकते हैं, सुन सकते हैं, उचित सिद्ध कर सकते हैं या जिस पर आप विश्वास कर सकते हैं।

जब विद्यार्थी काम करें, तब कमरे में घूमें और संक्षिप्त नोट्स बनाएं। आप कक्षा सूची का उपयोग करके दर्ज कर सकते हैं कि किन विद्यार्थियों को अधिक मदद की जरूरत है, और किसी भी उभरती गलतफहमी को भी नोट कर सकते हैं। इन नोट्स का उपयोग आप सारी कक्षा को प्रतिक्रिया देने या समूहों अथवा व्यक्ति विशेष को प्रेरित और प्रोत्साहित करने के लिए कर सकते हैं।

प्रतिक्रिया देना (Giving Feedback)

प्रतिक्रिया वह जानकारी होती है जो आप किसी विद्यार्थी को यह बताने के लिए देते हैं कि उन्होंने किसी घोषित लक्ष्य या अपेक्षित परिणाम के संबंध में कैसा कार्य किया है। प्रभावी प्रतिक्रिया विद्यार्थी को:

- जानकारी देती है कि क्या हुआ है
- इस बात का मूल्यांकन देती है कि कोई कार्यवाही या काम कितनी अच्छी तरह से किया गया
- मार्गदर्शन देती है कि कार्यप्रदर्शन को कैसे सुधारा जा सकता है।

जब आप हर विद्यार्थी को प्रतिक्रिया देते हैं, तब उसे यह जानने में मदद होनी चाहिए कि:

- वे वास्तव में क्या कर सकते हैं
- वे अभी क्या नहीं कर सकते हैं
- उनका काम अन्य लोगों की तुलना में कैसा है
- वे कैसे सुधार कर सकते हैं।

यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि प्रभावी प्रतिक्रिया विद्यार्थियों की मदद करती है। आप नहीं चाहते कि आपकी प्रतिक्रिया के अस्पष्ट या अन्यायपूर्ण होने के कारण सीखने की प्रक्रिया में कोई रूकावट आए। प्रभावी प्रतिक्रिया:

- हाथ में लिए गए काम और विद्यार्थी द्वारा सीखी जा रही बात पर संकेंद्रित होती है
- स्पष्ट और ईमानदार होती है, और विद्यार्थी को बताती है कि उसके सीखने की प्रक्रिया के बारे में क्या अच्छी बात है और उसे कहाँ सुधार करना चाहिए

- कार्यवाही के योग्य होती है, और विद्यार्थी को ऐसा कुछ करने को कहती है जिसे करने में वे सक्षम होते हैं
- विद्यार्थी के समझ सकने योग्य उपयुक्त भाषा में दी जाती है
- सही समय पर दी जाती है – यदि वह बहुत जल्दी दी गई तो विद्यार्थी सोचेगा 'मैं यही तो करने जा रहा था!'; बहुत देर से दी गई तो विद्यार्थी का ध्यान और कहीं चला जाएगा और वह वापस लौटकर वह नहीं करना चाहेगा जिसके लिए उसे कहा गया है।

प्रतिक्रिया चाहे बोली जाए या विद्यार्थियों की वर्कबुक में लिखी जाए, वह तभी अधिक प्रभावी होती है यदि वह नीचे दिए गए दिशानिर्देशों का पालन करती है।

प्रशंसा और सकारात्मक भाषा का उपयोग करना

जब हमारी प्रशंसा की जाती है और हमें प्रोत्साहित किया जाता है तो आमतौर पर हम उस समय के मुकाबले काफी अधिक बेहतर महसूस करते हैं, जबकि हमारी आलोचना की जाती है या हमारी गलती सुधारी जाती है। सुदृढ़ीकरण और सकारात्मक भाषा समूची कक्षा और सभी उम्र के व्यक्तियों के लिए प्रेरणादायक होती है। याद रखें कि प्रशंसा को विशिष्ट और स्वयं विद्यार्थी की बजाय किए गए काम पर लक्षयित होना चाहिए, अन्यथा वह विद्यार्थी की प्रगति में मदद नहीं करेगी। 'शाबाश' अविशिष्ट शब्द है, इसलिए निम्नलिखित में से कोई बात कहना बेहतर होगा:

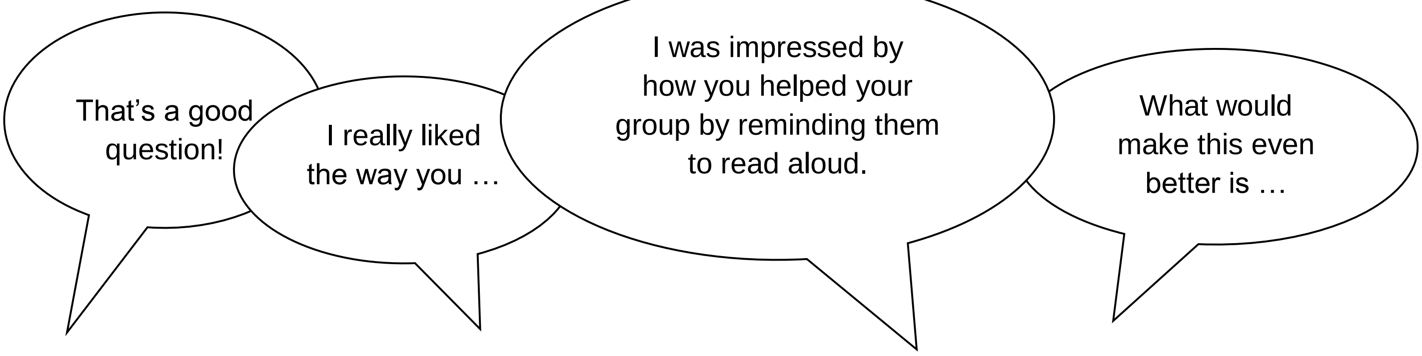

संकेत देने के साथ-साथ सुधार का उपयोग करना – सुधार के साथ प्रोत्साहन का उपयोग करना

अपने विद्यार्थियों के साथ आप जो बातचीत करते हैं वह उनके सीखने की प्रक्रिया में मदद करती है। यदि आप उन्हें बताते हैं कि उनका उत्तर गलत है और संवाद को वहीं समाप्त कर देते हैं, तो आप सोचने और स्वयं प्रयास करने में उनकी मदद करने का अवसर खो देते हैं। यदि आप विद्यार्थियों को संकेत देते हैं या आगे कोई प्रश्न पूछते हैं, तो आप उन्हें अधिक गहराई से सोचने को प्रेरित करते हैं और उत्तर खोजने तथा अपने स्वयं के सीखने का दायित्व लेने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करते हैं। उदाहरण के लिए, आप बेहतर उत्तर के लिए प्रोत्साहित या किसी समस्या पर किसी अलग दृष्टिकोण को प्रेरित करने के लिए निम्नलिखित जैसी बातें कह सकते हैं:

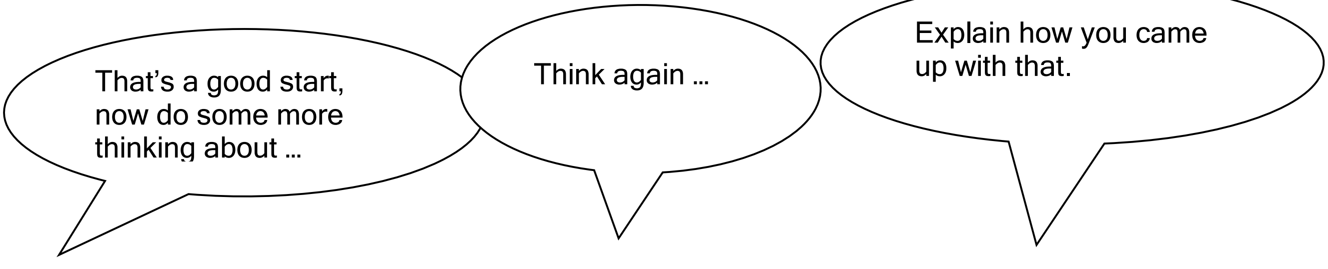

दूसरे विद्यार्थियों को एक दूसरे की मदद करने के लिए प्रोत्साहित करना उपयुक्त हो सकता है। आप यह काम निम्नलिखित जैसी टिप्पणियों के साथ शेष कक्षा के लिए अपने प्रश्नों को प्रस्तुत करके कर सकते हैं:

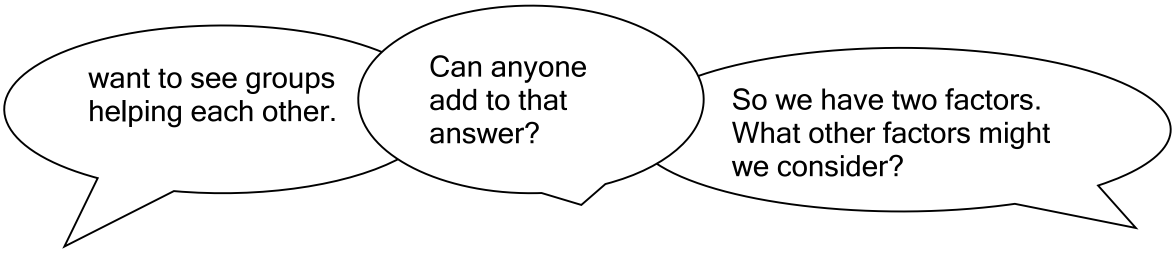

विद्यार्थियों को हां या नहीं के साथ सुधारना स्पेलिंग या संख्या के अभ्यास की तरह के कामों के लिए उपयुक्त हो सकता है, लेकिन यहां पर भी आप विद्यार्थियों को उभरते नमूनों पर नजर डालने या समान उत्तरों से संबंध बनाने के लिए प्रेरित कर सकते हैं या चर्चा शुरू कर सकते हैं कि कोई उत्तर गलत क्यों है।

स्वयं सुधार करना और समकक्षों से सुधार करवाना प्रभावी होता है और आप इसे विद्यार्थियों से दिए गए कामों को जोड़ियों में करते समय स्वयं अपने और एक दूसरे के काम की जाँच करने को कहकर प्रोत्साहित कर सकते हैं। एक समय में एक पहलू को सही करने पर ध्यान केंद्रित करना सबसे अच्छा होता है ताकि भ्रम में डालने वाली ढेर सारी जानकारी न हो।

संसाधन 4: स्वयं अपनी अंग्रेज़ी का विकास करें

आपके अपने लेखन कौशलों को विकसित करने के लिए यहाँ कुछ सुझाव प्रस्तुत हैं:

- जितनी संभव हो उतनी अधिक अंग्रेजी पढ़ें। अच्छे लेखक अक्सर अच्छे पाठक भी होते हैं! यथासंभव अधिक पढ़ना अपनी शब्दावली और भाषा के उपयोग को विकसित करने में आपकी मदद करेगा।
- आपसे जितना अधिक संभव हो उतना अंग्रेजी में लिखें – खरीददारी की सूचियाँ, डायरियाँ, नोट्स – जो भी आपसे हो सके। इससे लेखन में आत्मविश्वास विकसित करने में आपको मदद मिलेगी, और आपकी वाक्पटुता विकसित होगी।
- याद रखें कि जब आप कुछ लिखते हैं तो अपना समय ले सकते हैं। आप जितने चाहें उतने मसौदे लिख सकते हैं, और अपने स्वयं के काम का संशोधन और संपादन कर सकते हैं।

और अपने लिखित काम को अपने समकक्षों के साथ साझा करना न भूलें। प्रतिक्रिया प्राप्त करना हमेशा एक अच्छा विचार होता है।

अतिरिक्त संसाधन

- Articles on writing: http://www.teachingenglish.org.uk/articles/writing
- 'Writing matters: getting started' by Adrian Tennant: http://www.onestopenglish.com/skills/writing/writing-matters/writing-matters-getting-started/154745.article
- 'Effective writing across the curriculum': http://orelt.col.org/module/unit/4-effective-writing-across-curriculum

संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

National Council of Educational Research and Training (2006a) *Beehive: Textbook in English for Class XI*, National Council of Educational Research and Training. Available from: http://www.ncert.nic.in/NCERTS/textbook/textbook.htm (accessed 16 September 2014).

National Council of Educational Research and Training (2006b) *Honeydew: Textbook in English for Class VIII*, National Council of Educational Research and Training. Available from: http://www.ncert.nic.in/NCERTS/textbook/textbook.htm (accessed 16 September 2014).

अभिस्वीकृतियाँ

यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/) के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है, जब तक कि अन्यथा निर्धारित न किया गया हो। यह लाइसेंस TESS-India, OU और UKAID लोगो के उपयोग को वर्जित करता है, जिनका उपयोग केवल TESS-India परियोजना के भीतर अपरिवर्तित रूप से किया जा सकता है।

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन अध्यापक शिक्षकों, मुख्याध्यापकों, अध्यापकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।